# GSEB Std 9 Hindi Textbook Solutions Chapter 2 न्यायमंत्री

**Std 9 GSEB Hindi Solutions न्यायमंत्री Textbook Questions and Answers**

## स्वाध्याय

### 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए।

**प्रश्न 1. शिशुपालने अपने घर का दरवाजा क्यों खोल दिया?**

उत्तर :

एक अतिथि को शाम के अंधेरे में आश्रय के लिए आया देखकर शिशुपाल ने अपने घर का दरवाजा खोल दिया।

**प्रश्न 2. शिशुपाल किस अवसर की तलाश में था?**

उत्तर :

शिशुपाल सच्चा न्याय कैसा होता है यह दिखाने के अवसर की तलाश में था।

**प्रश्न 3. न्याय के विषय में शिशुपाल के क्या विचार थे?**

उत्तर :

शिशुपाल मानता था कि न्याय ऐसा हो कि कोई अन्याय और अपराध करने का साहस न कर सके।

**प्रश्न 4. परदेशी कौन था ? उसने दूसरे दिन क्या किया ?**

उत्तर :

परदेशी स्वयं सम्राट अशोक था। दूसरे दिन सुबह उठकर परदेशी ने शिशुपाल को धन्यवाद देकर उससे विदा ली।

**प्रश्न 5. सम्राट अशोक ने शिशुपाल को राजमुद्रा क्यों दी?**

उत्तर :

सम्राट अशोक ने शिशुपाल को न्यायमंत्री के पद पर नियुक्ति के रूप में राजमुद्रा दी।

**प्रश्न 6. राज्य में न्याय के विषय में परिस्थितियाँ कैसे बदल गई?**

उत्तर :

शिशुपाल के न्यायमंत्री बनते ही राज्य में पूरी तरह शांति रहने लगी, किसी को किसी प्रकार का भय न रहा।

**प्रश्न 7. पहरेदार की हत्या होने पर शिशुपाल की स्थिति कैसी हो गई ?**

उत्तर :

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

पहरेदार की हत्या होने पर शिशुपाल की नींद उड़ गई और अपराधी का पता लगाने के लिए उन्होंने दिन-रात एक कर दिए।

**प्रश्न 8. अपराधी का पता चलने पर शिशुपाल ने क्या किया ?**

उत्तर :

अपराधी का पता चलने पर शिशुपाल ने सम्राट अशोक को गिरफ्तार करने का आदेश दिया।

## 2. विस्तार से उत्तर दीजिए :

**प्रश्न 1. सम्राट अशोक ने न्यायमंत्री की खोज कैसे की?**

उत्तर :

अपने राज्य को अपराधमुक्त करने के लिए सम्राट अशोक को एक सुयोग्य न्यायमंत्री की आवश्यकता थी। न्यायमंत्री की खोज के लिए उन्होंने एक परदेशी नवयुवक का वेश धारण किया। घूमते-घूमते वे ब्राह्मण शिशुपाल के यहाँ पहुँचे। शिशुपाल न्याय-प्रेमी था। न्याय किसे कहते हैं, यह दिखाने के लिए उसे अवसर की तलाश थी। सम्राट अशोक ने उसे अवसर दिया। हत्या का अपराध होने पर शिशुपाल ने निष्पक्ष व्यवहार किया। उसने सम्राट को मृत्युदंड देने की घोषणा की। उसके इस साहस और निष्पक्ष व्यवहार से सम्राट प्रसन्न हो गए। __ इस प्रकार सम्राट अशोक ने सही न्यायमंत्री की खोज की।

**प्रश्न 2. सम्राट अशोक ने न्यायमंत्री का पद देने हुए शिशुपाल को क्या दिया ?**

उत्तर :

सम्राट अशोक ने शिशुपाल को अपने दरबार में बुलाया। उन्होंने शिशुपाल से कहा कि, मैं आपको न्याय करने का अवसर देना चाहता हूँ। शिशुपाल भी इस अवसर के लिए तैयार था। यह जानकर सम्राट ने उन्हें न्यायमंत्री बनाया और पहचानने के लिए उसे राजमुद्रा दी।

**प्रश्न 3. सम्राट अशोक क्यों गद्‌गद हो गए?**

उत्तर :

सम्राट अशोक ने शिशुपाल को न्याय का असली रूप दिखाने का अवसर दिया था। उन्होंने देखा कि शिशुपाल न्याय की कसौटी पर खरा उतरा था। हत्यारे सम्राट के प्रति उसने जरा भी नरम रुख नहीं अपनाया। उसने अपराधी सम्राट को मृत्युदंड देने की घोषणा की। दंड देते समय शिशुपाल ने जरा भी हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अपने साहसपूर्ण और निष्पक्ष व्यवहार से उसने सम्राट का दिल जीत लिया। इस प्रकार न्यायमंत्री के रूप में शिशुपाल को सफल होते देखकर सम्राट अशोक गद्‌गद हो गए।

**प्रश्न 4. न्यायमंत्री ने अपराधी सम्राद के जीवन की रक्षा किस प्रकार की?**

उत्तर :

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सम्राट अशोक ने एक राजकर्मचारी की हत्या की थी। इस अपराध के लिए न्यायमंत्री ने उन्हें मृत्युदंड देने की घोषणा की। परंतु अपराधी और कोई नहीं स्वयं सम्राट थे। शास्त्रों में राजा को ईश्वररूप माना गया है। इसलिए उसे केवल ईश्वर ही दंड दे सकता है। न्यायमंत्री ने सम्राट की जगह उनकी सोने की मूर्ति को फांसी पर लटकवा दिया। इस प्रकार न्यायमंत्री ने अपराधी समाट के जीवन की रक्षा की।

**प्रश्न 5. न्यायमंत्री निरुत्तर क्यों हो गए?**

उत्तर :

शिशुपाल न्यायमंत्री की कसौटी पर खरे उतरे थे। समाट अशोक ऐसे व्यक्ति को पाकर गदगद हो गए। लोगों ने भी शिशुपाल का न्याय सुनकर उनकी जय-जयकार की। परंतु शिशुपाल को लगा कि न्यायमंत्री की यह जिम्मेदारी उनसे नहीं संभाली जाएगी। उन्होंने सम्राट से राजमुद्रा वापस लेने की प्रार्थना की। परंतु अशोक ने कहा कि उन्होंने अपने न्यायपूर्ण व्यवहार से उनकी आँखें खोल दी हैं। यह जिम्मेदारी उनके सिवाय और कोई नहीं उठा सकता।

## 3. निम्नलिखित विधान कौन कहता है ? क्यों ?

**प्रश्न 1. "यह मेरा सौभाग्य है ।"**

उत्तर :

यह विधान शिशुपाल अपने द्वार आए परदेशी युवक से कहता है, क्योंकि वह अतिथि का सत्कार करना अपना कर्तव्य समझता है।

**प्रश्न 2. "दोष निकालना तो सुगम है. परंतु कुछ कर दिखाना कठिन है।"**

उत्तर :

यह वाक्य परदेशी युवक (सम्राट अशोक) शिशुपाल से कहता है, क्योंकि शिशुपाल उससे सम्राट अशोक के राज्य में हो रहे अन्याय की शिकायत करता है।

**प्रश्न 3. "ब्राह्मण के लिए कुछ भी कठिन नहीं । मैं न्याय का डंका बजाकर दिखा दूंगा।"**

उत्तर :

यह वाक्य शिशुपाल परदेशी नवयुवक से कहता है, क्योंकि परदेशी नवयुवक उससे राज्य को अपराधमुक्त करने का वचन लेना चाहता है।

**प्रश्न 4. तो तुम अपराध स्वीकार करते हो?**

उत्तर :

यह वाक्य न्यायमंत्री शिशुपाल सम्राट अशोक से कहता है, क्योंकि उसने पहरेदार की हत्या की थी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**प्रश्न 5. महाराज! यह राजमुद्रा वापस ले लें, मुझसे यह बोझ नहीं उठाया जाएगा।**

उत्तर :

यह वाक्य न्यायमंत्री शिशुपाल सम्राट अशोक से कहता है, : क्योंकि उसे लगता है कि वह न्यायमंत्री की जिम्मेदारी नहीं संभाल पाएगा।

## 4. विरोधी शब्द दीजिए :

**प्रश्न 1.**

1. **परदेशी**
2. **आदर**
3. **अपराधी**
4. **सुप्रबंध**
5. **गिरफ्तार**
6. **स्वीकार**

उत्तर :

1. स्वदेशी
2. अनादर
3. निरपराधी
4. कुप्रबन्ध
5. रिहा
6. अस्वीकार

## 5. समानार्थी शब्द दीजिए :

**प्रश्न 1.**

1. **अतिथि**
2. **सुगम**
3. **कठिन**
4. **हैरान**
5. **नि:स्तब्धता**
6. **निरुत्तर**

उत्तर :

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

1. मेहमान
2. सरल
3. मुश्किल
4. चकित
5. शांति
6. खामोश

## 6. सोचकर बताइए:

**प्रश्न 1. अगर आप न्यायमंत्री होते तो क्या करते ?**

उत्तर :

मैं न्यायमंत्री होता तो वही करता जो शिशुपाल ने किया।

**प्रश्न 2. समाट अशोक की आँखें किस कारण खुल गई ?**

उत्तर :

समाट अशोक की आँखें खुल गई, क्योंकि शिशुपाल ने है उसे दिखा दिया कि सच्चा न्याय किसे कहते हैं।

**प्रश्न 3. शिशुपाल के साहस की सम्राट अशोक. ने क्यों प्रशंसा की?**

उत्तर :

शिशुपाल ने सम्राट अशोक को पहरेदार की हत्या का अपराधी बताया। उसने सम्राट को मृत्युदंड देने में जरा भी शिक्षक नहीं दिखाई। उसकी इस निष्पक्षता और निडरता के कारण सम्राट अशोक ने उसके साहस की प्रशंसा की।

## 7. न्यायमंत्री के रूप में शिशुपाल को घोषित करते हुए सम्राट अशोक ने राजमुद्रा दी इसका अर्थ है

**प्रश्न 1.**

**(अ) मैं आपसे प्रसन्न हूँ।**

**(ब) आपके न्यायमंत्री होने की यह तनख्वाह है।**

**(क) यह मेरी ओर से पुरस्कार है।**

**(ड) यह तुम्हारे, न्यायमंत्री होने की पहचान है।**

उत्तर :

(ड) यह तुम्हारे न्यायमंत्री होने की पहचान है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in